• विषय •

हिंदी कविता का विकासक्रम

आदिकाल (द्वितीय वर्ष कला)

•प्रस्तुतकर्ता•

प्रा. डॉ गजानन वानखेडे

बळीराम पाटील कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,

किनवट

आदिकाल की परिस्थितियाँ

सं.१०५०-१३७५

- राजनीतिक परिस्थिति
- धार्मिक परिस्थिति
- सामाजिक परिस्थिति
- सांस्कृतिक परिस्थिति
- साहित्यिक परिस्थिति

सिद्ध साहित्य की प्रवृत्तियाँ

- जीवन की सहजता तथा स्वभाविकता में विश्वास
- गुरूमहिमा का प्रतिपादन
- बाहय आडंबरों और पाखंडों का विरोध
- तत्कालीन जीवन में आशावादी संचार
- रहस्यभावना
- शृंगार और शांत रस
- भाषा
- प्रतीक योजना
- छंद

नाथपंथी साहित्य का परिचय

- गोरखनाथ
- मछींद्रनाथ
- जालंधरनाथ
- गहणीनाथ
- चरपटनाथ
- भूर्तनाथ

नाथ साहित्य की प्रवृत्तियाँ

- शुद्ध चित्त और सदाचार में आस्था
- हटयोग साधना
- ईश्वरोपासना के बाहय साधन व्यर्थ माने / बाहय आडम्बरों का विरोध
- गुरू महिमा
- उलटबासियाँ
- एकेश्वरवादी
- नारी त्याग की भवना
- शून्य साधना का महत्व
- अंलकार
- भाषा
- छंद

रासो साहित्य की परंपरा

- रासो शब्द के अर्थ
- रासो के प्रकार

I. संदेश रासो
II. मुजरासो
III. भारतेश्वर बाहुबली
IV. खुमान रासो
V. बिसलदेव रासो
VI. हम्मीर रासो
VII. परमाल रासो
VIII. पृथ्वीराज रासो

साहित्यिक कवियों का परिचय

- गोरखनाथ
- लौकिक साहित्य
- विद्यापती
- अमीर खुसरो

धन्यवाद...